आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव आँचल

वर्ष 47 अंक 03 (प्रति रविवार) इंदौर, 08 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2023 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

विधानसभा चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग और राजनीतिक पार्टियां तैयार

मप्र-छग समेत 5 राज्यों में इस सप्ताह बजेगा चुनावी बिगुल

नई दिल्ली(एजेंसी)। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान समेत 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग के साथ ही राजनीतिक पार्टियां पूरी तरह तैनात हैं। ऐसे में इन राज्यों में चुनावी बिगुल इस सप्ताह बज सकता है। चुनाव आयोग ने 5 राज्यों में चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर ली है। राजस्थान, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की विधानसभाओं का कार्यकाल अगले साल जनवरी में अलग-अलग तारीखों पर समाप्त हो रहा है। लेकिन मिजोरम की विधानसभा के कार्यकाल की तारीख को देखते हुए नतीजे पहले ही घोषित होंगे। 2018 में भी दिसंबर के दूसरे सप्ताह में ही पांचों राज्यों के चुनाव नतीजे आए थे। बता दें कि तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति की सरकार है, जबकि मध्य प्रदेश में भाजपा सत्ता में हैं। मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रंट सत्ता पर काबिज है। वहीं राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पार्टी सत्ता में है।

चुनाव आयोग ने लिया तैयारियों का जायजा- पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की

घोषणा से पहले, चुनाव आयोग ने राजस्थान, मिजोरम, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में चुनाव तैयारियों का जायजा ले लिया है। चुनाव आयोग ने चुनाव प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए पर्यवेक्षकों के साथ बैठक भी कर ली है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने तय कि नाम, आज लगेगी मुहर-छत्तीसगढ़ कांग्रेस की प्रदेश चुनाव समिति की बैठक रविवार को मुख्यमंत्री निवास में हुई। इस बैठक में सभी 90 सीटों पर सिंगल नाम तय किए गए। इस बैठक में प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव समेत समिति के सदस्य शामिल हुए। कुछ दिन पहले ही पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा था कि 10 अक्टूबर के बाद कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची जारी की जाएगी। इसलिए ये कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रत्याशी चयन को लेकर ये अंतिम बैठक थी। अब तक 6 बार से ज्यादा कांग्रेस प्रदेश चुनाव समिति की बैठक हो चुकी है। 2 हजार से ज्यादा दावेदारों के आवेदनों में काट-छांट कर लगभग 300 लोगों की एक लिस्ट तैयार की गई थी, जिसमें 40 सीटों पर सिंगल नाम तय किए गए थे। इसके बाद भी बैठकों का दौर जारी रहा और अब तक 90 सीट पर सिंगल नाम तय कर लिए गए हैं। सोमवार को सेंट्रल इलेक्शन की कमेटी की बैठक होने की संभावना है। इस बैठक के बाद ही कांग्रेस की पहले सूची जारी होगी।

छग में दो, मप्र में एक चरण में मतदान

इस साल पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव कराने को लेकर चुनाव आयोग ने संभावित प्लान बनाकर तैयार कर लिया है। छत्तीसगढ़ में 2 और मध्य प्रदेश, राजस्थान, मिजोरम और तेलंगाना में एक-एक चरण में मतदान हो सकता है। चुनाव आयोग ने ये प्लान 5 राज्यों के दौरे के बाद तैयार किया है। सूत्रों के मुताबिक नवंबर में दिवाली के बाद से दिसंबर के दूसरे हफ्ते तक पांचों राज्यों में मतदान सम्पन्न कराने की योजना है। वहीं, इन सभी राज्यों में 15 दिसंबर से पहले मतगणना हो सकती है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव कार्यक्रम को अंतिम मंजूरी दे दी है। सूत्रों के मुताबिक पांच राज्यों में चुनाव की तारीखें अलग-अलग हो सकती हैं लेकिन वोटों की गिनती एक साथ होगी। मिजोरम की विधानसभा का कार्यकाल इस साल 17 दिसंबर को खत्म हो रहा है। भाजपा की सहयोगी मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) पूर्वोत्तर राज्य में सत्ता में है।

गुजरात लंबे समय से आर्थिक मामलों में देश का लीडर रहा : जयशंकर

10वीं वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के उद्घाटन समारोह में बोले विदेश मंत्री

नई दिल्ली । विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुजरात के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि गुजरात लंबे समय से आर्थिक मामलों में देश का लीडर रहा है। उन्होंने गुजरात के लोगों के बड़े आर्थिक योगदान को रेखांकित करते हुए

उनकी उद्यमिता, जोखिम लेने की क्षमता और पूरी दुनिया में मौके तलाशने की इच्छा पर अपनी बात रखी है। 10वीं वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के उद्घाटन समारोह में एस जयशंकर ने कहा कि गुजरात लंबे समय से इस देश का आर्थिक मामलों में लीडर रहा है। वहां के लोग उद्यमिता, जोखिम लेने की क्षमता, या दुनिया भर में अवसर तलाशने की इच्छा के लिए मशहूर हैं। गुजराती समुदाय की पूरी दुनिया में मौजूदगी के बारे में जयशंकर ने कहा कि 'दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं है जहां कोई गुजराती न हो, और कभी-कभी मुझे संदेह होता है कि यही कारण है कि उन्होंने विदेश मामलों के मंत्री को उस राज्य से संसद में भेजने का विकल्प चुना।' विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत के आर्थिक जगत में गुजरात के महत्व को सामने रखते हुए कहा कि गुजरात सबसे आगे और लीडर रहा है, इसलिए गुजरात में आर्थिक घटनाओं का बहुत विशेष महत्व है।

विदेश मंत्री ने गुजरात से जुड़ी प्रमुख आर्थिक गतिविधियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे के भारत में अंतिम बिंदु के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो हाल ही में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान एक महत्वपूर्ण फोकस रहा था। जयशंकर ने आगे कहा कि यह पुराना है। अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा को अब और अधिक प्रोत्साहन मिल रहा है। यहां भी भारत के लिए टेक-ऑफ बिंदु भारत का पश्चिमी तट है, विशेष रूप से गुजरात का तट है। इसमें दो गलियारे हैं, भारत को पश्चिम एशिया/मध्य पूर्व से जोड़ने वाला गलियारा और पश्चिम एशिया/ मध्य पूर्व को यूरोप से जोड़ने वाला उत्तरी गलियारा शामिल हैं। विदेश मंत्री ने हाइब्रिड ऊर्जा पार्क और फूड पार्क की बात करते हुए कहा कि इसकी योजना गुजरात ने बनाई है।

तिहाड़ जेल में कैदियों की लगेगी कानून की क्लास

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में रह रहे कैदियों को मुफ्त कानूनी सहायता, जमानत, फर्लो, पैरोल, माफी, प्ली बार्गेनिंग, अपराधों के शमन और ऐसे अन्य अधिकारों से संबंधित विषयों पर जागरूक करने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट विधिक सेवा कमेटी (डीएचसीएलएससी) ने कानूनी साक्षरता सबका अधिकार कार्यक्रम की शुरुआत की है। इसके तहत तिहाड़, मंडोली व रोहिणी जेल में रह रहे कैदियों के लिए प्रत्येक शुक्रवार को कानूनी साक्षरता की कक्षा लगाई जाएगी। डीएचसीएलएससी ने यह कार्यक्रम तिहाड़ जेल के सहयोग से शुरू किया है। दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति मनमोहन ने शनिवार को तिहाड़ के सेंट्रल जेल नंबर-चार से इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। न्यायमूर्ति ने इस दौरान अदालतों में कैदियों की ओर से उचित कानूनी प्रतिनिधित्व के महत्व और उन कैदियों के हितों की रक्षा में डीएचसीएलएससी द्वारा निभाई गई भूमिका पर चर्चा की जो स्वयं उचित कानूनी प्रतिनिधित्व वहन करने में सक्षम नहीं हैं।

नहीं बढ़ेगी ईएमआई, रेपो रेट 6.5 प्रतिशत पर बरकरार

आरबीआई गवर्नर ने किया बड़ा एलान,लगातार चौथी बार ब्याज दरें स्थिर

नई दिल्ली । आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने त्यौहारों के पहले एक बार फिर लोगों को बड़ा तोहफा दिया है। लगातार चौथी बार रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर

बरकरार रखा गया है। वहीं लगातार चौथी बार ब्याज दरें स्थिर रखी गई हैं। जिससे ईएमआई में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद कहा, सभी प्रासंगिक पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद मौद्रिक नीति समिति ने सर्वसम्मति से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है। इस दौरान आरबीआई गवर्नर ने जीडीपी के अनुमानों में भी कोई बदलाव नहीं किया है। आरबीआई ने आखिरी बार फरवरी 2023 में रेपो रेट बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत की थी। तब से इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग हर दो महीने में होती है। इस वित्त वर्ष की पहली मीटिंग अप्रैल में हुई थी। वहीं पिछले वित्त वर्ष में रेपो रेट 6 बार में 2.50 प्रतिशत बढ़ाई गई थी। आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि सितंबर महीने में महंगाई में कमी आने की उम्मीद है। आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि रेपो रेट में बढ़ोतरी का असर अर्थव्यवस्था पर दिख रहा है। आरबीआई गवर्नर के अनुसार महंगाई की ऊंची दर अर्थव्यवस्था के लिए खतरा है। गवर्नर के अनुसार एमपीसी के छह में से पांच सदस्य अकोमोडेटिव रुख बरकरार रखने के पक्ष में रहे।

संपादकीय

किताबों में अलग कानून-अफसरों के कानून अलग

सरकारी अधिकारी किताबों में लिखित कानून के अनुसार काम नहीं करते हैं। सरकारी अधिकारी अपनी सोच से कानून और नियम बनाकर काम करते हैं। आम जनता के लिए कानून की किताबों में जो कानून और नियम लिखे हैं। ठीक उसके विपरीत अधिकारी अपने मनमाने कानून के हिसाब से काम करते हैं। हाल ही में दिल्ली हाईकोर्ट में एक मामला आया। जिसमें एक व्यक्ति को अवैध रूप से आधे घंटे तक लॉकअप में बंद करके रखा गया। दिल्ली हाईकोर्ट ने जब कानून के अनुसार समीक्षा की तो उसे गलत पाया। दिल्ली हाईकोर्ट ने जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों पर 50000 रूपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा, कि अधिकारियों का बर्ताव डरावना था। मुआवजा राशि दोषी पुलिस अधिकारियों के वेतन से काटने का आदेश हाईकोर्ट ने दिया है। आम आदमी न्याय पाने के लिए न्यायालयों तक नहीं पहुंच पाता है। जो पहुंच पाते हैं, वह वर्षों तक न्यायालय के चक्कर लगाते हैं। वकीलों को फीस देते हैं, उसके बाद अपील दर अपील न्यायालय के चक्कर लगाते हुए बुड्ढे हो जाते हैं। फिर खुद व खुद प्रताड़ना से तंग होकर उसे अपना भाग्य मानकर चुपचाप होकर बैठ जाते हैं। देश में इस तरह के हजारों मामले प्रतिदिन सामने आते हैं। जिसमें पुलिस, जांच एजेंसियां, कर विभाग के अधिकारी तथा शासकीय कार्यालय में पदस्थ अधिकारी और कर्मचारी मनमाने तरीके से आम आदमी को तरह-तरह से प्रताड़ित करते हैं। सरकार द्वारा बनाए गए कानून के ठीक विपरीत सरकारी अधिकारी और कर्मचारी काम करते हुए, भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते हैं। अवैध कमाई करते हैं, दिनों दिन यह कृत्य बढ़ता ही जा रहा है। कोई भी सरकार आई और गई। सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट के कितने भी निर्णय आए। लेकिन स्थितियों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिलता है। सबसे ज्यादा प्रताड़ना पुलिस और जांच एजेंसियों की कार्रवाई से हो रही है। सीआरपीसी की धारा 41 के तहत गिरफ्तारी करने का अधिकार पुलिस के पास है। गिरफ्तारी से पहले पुलिस को धारा 154 के तहत एफआईआर करना आवश्यक है। जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उसे 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की बाध्यता कानून में है। एफआईआर दर्ज होने के बाद वारंट जारी करने का अधिकार न्यायालय को है। यदि मौके पर किसी आरोपी को गिरफ्तार किया जाता है, तो उसकी गिरफ्तारी की सूचना परिवारजनों को दिए जाने का प्रावधान है। भारतीय संविधान ने अनुच्छेद 21-22 के तहत नागरिकों के मौलिक अधिकार की परिभाषा दी है। यदि पुलिस अधिकारी उसका उल्लंघन करते हैं। मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होने की दशा में नागरिकों को अधिकार है, कि वह मुआवजे के लिए अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट अथवा अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट में जाकर हुए नुकसान के लिए मुआवजों की मांग कर सकता है। सरकार कोई भी ऐसा कानून अथवा नियम नहीं बन सकती है, जो मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता हो। कार्यपालिका के अधिकारी भी ऐसा कोई आदेश जारी नहीं कर सकते हैं, जो मौलिक अधिकारों का हनन करता हो। पुलिस भी किसी भी नागरिक को पूछताछ के नाम पर या हिरासत में अनावश्यक रूप से नहीं रख सकती है। उसके लिए भी नियम कानून बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने समय-समय पर अपने आदेशों द्वारा परिभाषित भी किया है। इसके बाद भी सरकारी अधिकारियों का रवैया बड़ा डरावना है। वह मनमर्जी से जो चाहते हैं, वह करते हैं। आधिकारियों द्वारा की गई कार्यवाही को ही कानून मान लिया जाता है। एनसीआरबी के अनुसार 2001 से 2020 तक पुलिस हिरासत में 1888 लोगों की मौत हुई है। पुलिस हिरासत में मौत हजारों की संख्या में हुई, लेकिन 26 पुलिस कर्मियों को ही दोषी मानकर सजा दी गई है। जो परिवार प्रताड़ित हुए, उन्हें मुआवजा के लिए अलग से लड़ाई लड़ना पड़ती है। बहुत कम मामले ऐसे होते हैं, जिनमें न्यायालय मुआवजा दिए जाने के आदेश करती हैं।

चुनावी रथ में ही क्यों सवार होती हैं जन-हित योजनाएं

ललित गर्ग

आजादी के अमृतकाल के पहले लोकसभा एवं पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की आहट अब साफ-साफ सुनाई दे रही है, राज्यों में चुनावी सरगर्मियां उग्र हो चुकी है। भारत के सभी राजनीतिक दल अब पूरी तरह चुनावी मुद्रा में आ गये हैं और प्रत्येक प्रमुख राजनैतिक दल इसी के अनुरूप बिछ रही चुनावी बिसात में अपनी गोटियां सजाने में लगे दिखाई पड़ने लगे हैं। जिन पांच राज्यों में चुनाव होने हैं, उनमें राजस्थान सर्वाधिक महत्वपूर्ण बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बहुत पहले ही विधानसभा चुनाव के लिए कमर कस ली है, वे हर दिन किसी-न-किसी लुभावनी एवं जनकल्याणकारी योजना की घोषणा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा सहित विभिन्न योजनाओं की तरह अब उन्होंने प्रदेश के 240 राजकीय विद्यालयों को महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में रूपांतरित करने का ऐलान किया किया है। निश्चित ही एक आदर्श राज्य के रूप में गहलोत की योजनाओं की देशभर में चर्चा हो रही है, लेकिन क्या इन योजनाओं के बल पर वे पुनः सत्ता प्राप्त करने में सफल हो पायेंगे? असल में गहलोत का मुकाबला इस बार सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से होने जा रहा है। मोदी पहले सीकर एवं अब जोधपुर में जनता का मानस बदलने एवं राजस्थान के गहलोत सरकार के घोटालों को उजागर किया है।

लोकलुभावन घोषणा एवं मुक्त की रेवड़ियां राजस्थान की तरह ही मध्यप्रदेश में शिवराजसिंह चौहान भी बांट रहे हैं, अभी तो इनके बल पर चुनाव जीते जा सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए दोनों ही प्रांतों की चुनी सरकारों को एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ेगा, क्योंकि राज्य की वित्तीय स्थिति उन्हें पूरा करने की अनुमति दे पाएंगी, इसमें संदेह है। जैसी गारंटियां, लोकलुभावन वादे एवं मुक्त की रेवड़ियां देने की परम्परा दक्षिण से शुरु हुई थी, वैसी ही अब देश के अन्य प्रांतों में वहां की सरकारें कर रही हैं। अभी हाल में दिल्ली नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी ने दस गारंटियां दी थीं। ये गारंटियां और कुछ नहीं लोकलुभावन वादे ही थे, जिन्हें जनकल्याण का नाम दिया गया है। मध्य प्रदेश में मुख्यमन्त्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने चुनाव से छह महीने पहले ही लोक कल्याणकारी योजनाओं की झड़ी लगा रखी है जिससे राज्य का चुनावी माहौल और गर्मा रहा है।

निश्चित ही राजस्थान में लोकलुभावनी योजनाओं का जनता को लाभ मिला है, राजस्थान का कायाकल्प भी हुआ। गहलोत अपने राजनीतिक जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण पारी खेलते हुए एक कद्दावर नेता के रूप में सामने आ रहे हैं। लेकिन मतदाता के मन में ये योजनाएं हैं या और कुछ? यह वक्त ही बतायेगा। लेकिन एक बात बहुत स्पष्ट है कि मतदाता अब ज्यादा जागरूक हुआ है तो गहलोत भी ज्यादा सर्तक, समझदार एवं चालाक हुए हैं। उन्होंने जिस प्रकार चुनावी शतरंज पर काले-सफेद मोहरें बिछाने शुरु कर दिये हैं, उससे मतदाता भी उलझा हुआ प्रतीत करेगा। अपने हित की पात्रता नहीं मिल रही है। कौन ले जाएगा प्रदेश की लगभग आठ करोड़ जनता को आजादी के अमृतकाल में। सभी नंगे खड़े हैं, मतदाता किसको कपड़े पहनाएगा, यह एक दिन के राजा पर निर्भर करता है। सभी इस एक दिन के राजा को लुभाने में जुटे हैं। कोई मुफ्तखोरी की राजनीति का सहारा लेकर चुनाव जीतने की कोशिश करने में जुटा है तो कोई गठबंधन को आधार बनाकर चुनाव जीतने के सपने देख रहा है।

विधानसभा चुनावों की सरगर्मियां उग्रता पर है, इस बार का चुनाव काफी दिलचस्प एवं चुनौतीपूर्ण होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह भाजपा की स्थिति को मजबूती देते हुए गहलोत सरकार को पछाड़े में लगे हैं। लेकिन भाजपा की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह अपनी हार के कारणों को बड़ी गहराई से लेते हुए उन कारणों को समझने एवं हार को जीत में बदलने के गणित को बिठाने में माहिर है। गहलोत प्रखर नेता के रूप में न केवल भीतर संघर्ष कर रहे हैं बल्कि भाजपा को चुनौती देने का हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने दूरगामी सोच एवं राजनीतिक कौशल से अनेक प्रभावी योजनाओं को लागू किया है। आज राजस्थान एक 'आदर्श राज्य' के रूप में उभरा है या नहीं? यह देश के सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाले राज्यों में से एक है भी या नहीं है? यह विश्लेषण के विषय हैं। आज देश में राजस्थान की चर्चा सबसे अच्छी सड़कों, सबसे अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं, सबसे अधिक विश्वविद्यालयों व सबसे आगे बढ़ने वाले राज्य से अधिक गहलोत की योजनाओं के रूप में हो रही है और यह सब योजनाएं चुनावी रथ पर सवाल होकर जीत को सुनिश्चित करने की चेष्ठा है।

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन पांच राज्यों में जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम-दाम-दंड अपनाये जा रहे हैं। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। लेकिन ऐसा होता तो आजादी के अमृतकाल तक पहुंच जाने के बाद भी देश एवं प्रदेश गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझता दिखाई देता। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि ÷अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।÷

राजस्थान के चुनाव का नतीजा अभी लोगों के दिमागों में है। मतपेटियां क्या राज खोलेंगी, यह समय के गर्भ में है। पर एक संदेश इस चुनाव से मिलेगा कि अधिकार प्राप्त एक ही व्यक्ति अगर ठान ले तो अनुशासनहीनता, भ्रष्टाचार, महंगाई, गरीबी, अशिक्षा, स्वास्थ्य आदि समस्याओं पर नकेल डाली जा सकती है। लेकिन देश एवं प्रदेश बनाने एवं विकास की ओर अग्रसर करने की बजाय सभी दल मुक्त रेवडियां बांट कर एक अकर्मण्य पीढ़ी को गढ़ने की कुचेष्टा करते हैं या येन-केन-प्रकारेण चुनाव जीत का सेहरा अपने सीर पर बांधना चाहते हैं। कई बार तो ऐसी घोषणाएं भी कर दी जाती हैं, जिन्हें पूरा करना संभव नहीं होता। उन्हें या तो आधे-अधूरे ढंग से पूरा किया जाता है या देर से अथवा उनके लिए धन का प्रबंध जनता के पैसों से ही किया जाता है। उदाहरणस्वरूप दिल्ली एवं कर्नाटक सरकार ने बिजली मुफ्त देने के वादे को पूरा करने के लिए बिजली महंगी कर दी या नई गलियां निकाल ली। इसी तरह पंजाब सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर वैट बढ़ा दिया। चुनाव जीतने के लिए वित्तीय स्थिति की अनदेखी कर लोकलुभावन वादे करना अर्थव्यवस्था के साथ खुला खिलवाड़ है। इस पर रोक नहीं लगी तो इसके दुष्परिणाम जनता को ही भुगतने पड़ेंगे। जो चुनाव सशक्त एवं आदर्श शासक नायक के चयन का माध्यम होता है, उससे अगर नकारा, ठग एवं अलोकतांत्रिक नेताओं का चयन होता है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण एवं देश की विडम्बना है।

लेकिन गहलोत की ताजा शिक्षा योजना यदि चुनाव से न जुड़ी होती तो इस एक योजना से वे अनुकरणीय एवं आदर्श राजनेता बनकर उभरते? प्रश्न है कि ऐसी योजनाएं चुनाव के समय ही क्यों लागू की जाती है? आजादी के अमृतकाल में भी देश का गरीब तबका समुचित शिक्षा से वंचित है। विद्यालयों की फीस देने में वह खुद को असमर्थ पाता है जिसकी वजह से उसमें हताशा का संचार भी देखने भी आया है। ऐसे वातावरण में सरकारों का ही यह दायित्व बनता है कि वे समाज के निचले तबकों को ऊपर उठाने के लिए शिक्षा के स्तर से ही ऐसी शुरूआत करें जिससे गरीब से गरीब का मेधावी बालक भी अपने सपनों को पूरा करके ऊंचे से ऊंचे पद तक अपनी योग्यता के अनुसार पहुंच सके। लोकतन्त्र में यह दायित्व सरकारों का ही होता है कि वे आम आदमी के जीवन की आवश्यक जरूरतों की पूर्ति करने की व्यवस्था हेतु अनिवार्य आधारभूत ढांचा खड़ा करें। निश्चित ही एक सराहनीय शुरूआत गहलोत ने की है वह देश की सभी राज्य सरकारों के लिए नजीर बन सकती है। राजस्थान सरकार ने गांवों के स्तर पर अंग्रेजी माध्यम के आधुनिक स्कूल खोल कर यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि किसी किसान-मजदूर का बेटा-बेटी भी केवल अंग्रेजी ज्ञान न होने की वजह से ही जीवन में न पिछड़े और उच्च शिक्षा के मोर्चे पर भी आगे रहे।

मामला नवरात्रि के प्रथम दिन शहर में छोटे कपड़े और अश्लीलता से जुड़ा

फैशन शो के मामले में बजरंग दल ने दिया आवेदन

इंदौर। बजरंग दल इंदौर विभाग संयोजक प्रवीण दरेकर ने बताया कि सोशल मीडिया के मध्यम से सूचना मिली थी कि इंदौर के तुकोगंज थाना क्षेत्र के ट्रेजर आइलैंड में 15 तारीख के दिन जूनियर मिस इंडिया नाबालिक लड़कियों का फैशन शो होने वाला है। दरेकर ने कहा कि इंदौर माँ अहिल्या की पावन नगरी है शहर में ऐसे आमर्यादित आयोजन का विरोध करते है ओर उस दिन पवित्र नवरात्रि का पहला दिन है और शहर में इस प्रकार के अश्लीलता भरे फैशन शो का आयोजन किया जा रहा है।

दरेकर कल दोपहर को डीजीपी पंकज पांडे को आवेदन देकर के होने जा रहा है फैशन शो रद्द करने की मांग की अगर प्रशासन ने कोई एक्शन नही लिए तो बजरंग दल खुद उस कार्यक्रम में पहुँच के विरोध और अपनी कार्य शैली में जवाब देगा। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया की इंदौर में लगातार अश्लील हरकतें वाले आयोजन इंदौर शहर बड़ी तेजी से हो रहे है लेकिन इंदौर कमिश्नर ओर आलाधिकारी इन सब आयोजन से बेखबर है, वही शहर के इवेंट ऑर्गेनाइजर मॉल ऑडिटोरियम क्लबो में आयोजन करते है लेकिन नियमों का पालन नहीं करते।

आवेदन में बजरंग दल ने यह मांग भी की है कि पब और क्लब में काम करने वाले बाउंसर अधिकतर अपराधिक रिकॉर्ड वाले है। शहर की सड़कों पर युवक युवतियों अर्द्वस्त्र धारण कर सार्वजनिक स्थलों पर अशोभनीय हरकते करते है साथ आयोजन स्थल के बाहर मानो ऐसे गलत विदेशी संस्कृति चला रही हो। सार्वजनिक स्थानों पर युवाक युवतियों खुलेमाम सड़को पर धूम्रपान करते नजर आते है। इस प्रकार की कई मांगो लेकर के आवेदन दिया गया।

इस दौरान मौके पर प्रवीण दरेकर, जितेन्द्र शर्मा, राहुल पांडे, लक्की रघुवंशी, राजेश गौड़, जितेन्द्र जाट,लक्की मेवाती, मिथलेश प्रजपात अन्य मौजूद थे।

पुलिस पेंशनर संघ द्वारा स्थापना दिवस समारोह सम्पन्न

इंदौर। मध्यप्रदेश पुलिस पेंशनर संघ का वार्षिक अधिवेशन होटल अमर विलास में संपन्न हुआ। इस गरिमामयी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव उपस्थित थे, उक्त कार्यक्रम में सम्पूर्ण मध्य प्रदेश से लगभग 1500 पदाधिकारी सम्मिलित हुए कार्यक्रम के पश्चात पदाधिकारी एवं सदस्यों को पुष्पमाला एवम साल श्रीफल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसपी चौहान ने की, विशेष अतिथि पंडित आर के शुक्ला, अध्यक्ष मानव अधिकार ब्यूरो थे, विशिष्ट अतिथि महेंद्र सिंह परिहार प्रदेश अध्यक्ष पुलिस पेंशनर संघ ने अपने विचार रखे।

मध्यप्रदेश कबडडी एसोसिएशन के चुनाव सम्पन्न

इंदौर। रविवार को होटल सूर्या इंदौर में चुनाव संपन्न हुआ जिसमें सर्व सहमति से मध्य प्रदेश एमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर दीपक जोशी पिंटू भैया एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनवर खान देवास एवं सचिव जे सी शर्मा को नियुक्त किया गया। बहुत-बहुत बधाई बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

सांवेर में बनेंगे 14 बहुउद्देशीय कृषक सेवा केंद्र, मंडी बोर्ड भोपाल ने दी मंजूरी

इंदौर। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट के प्रयासों से मंडी बोर्ड भोपाल ने सांवेर विधानसभा क्षेत्र के 14 ग्रामों में कृषक सेवा केंद्र निर्माण की स्वीकृति दे दी है। वर्तमान में किसानों को कृषि व इससे संबंधित अन्य जानकारी के लिए किसान मित्रों की मदद लेना पड़ती थी। इसके अतिरिक्त अन्य केंद्र व स्थानों पर जाना पड़ता था, लेकिन अब यह सुविधाएं उन्हें सांवेर के 14 ग्रामों में जल्द मुहैया होंगी। मंडी बोर्ड भोपाल ने बहुउद्देशीय कृषि सेवा केंद्र निर्माण की मंजूरी दे दी है। मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट काफी समय से इसके लिए प्रयासरत थे। इन केन्द्रों के निर्माण पर 1.54 करोड़ की लागत आयेगी। यह केन्द्र लसुडिया परमार, हांसाखेडी (सांवेर), बसान्द्रा, पिपलिया कायस्थ के ग्राम रतनखेडी, बरलाई जागीर, बुढानियापंथ, मांगलिया सडक, कैलोदहाला, नागपुर, असरावद बुजुर्ग, पालकांकरिया, पिवडाय, टाकुन, पीरकराड़िया में बनाये जायेंगे। जमीन का चयन किया जा रहा है।

कोर्ट में जज ने पीड़ित की शर्ट उतरवाकर घाव देखे और आरोपी को दी जमानत

इंदौर। लसूड़िया पुलिस ने पिछले दिनों डिजिटल मार्केटिंग के जितेंद्र पंवार की रिपोर्ट पर प्रद्युम्न हेमंत सुनहरे उम्र तैवीस साल, निवासी श्रद्धाश्री कॉलोनी और सौरभ महेंद्र रघुवंशी उम्र उनतीस साल निवासी चित्रानगर के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया था । मामले में पति ने होटल में पत्नी को मित्र के साथ खाना खाते देख साथी के साथ जानलेवा हमला कर दिया था । पीड़ित ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि 18 सितंबर को रात 10 बजे वो महिला मित्र के साथ बायपास के लालटेन होटल में खाना खाने गया था । 11.15 बजे करीब महिला मित्र का पति प्रद्युम्न और उसका दोस्त सौरभ आया । प्रद्युम्न ने कहा तू मेरी पत्नी के साथ कैसे बैठा है और चाकू से हमला कर दिया । जितेंद्र को हाथ और पैर में चाकू लगे थे । न्यायालय में प्रकरण सुनवाई के दौरान जज ने कोर्ट में शर्ट उतरवाकर घाव देखे और और आरोपियों को जमानत दे दी।

मुलजिमों की तरफ से एडवोकेट संजय जैन ने जमानत आवेदन लगाया था । फरियादी भी एडवोकेट सूरज उपाध्याय के साथ कोर्ट आया था । जैन ने तर्क दिया पंवार को लगी दोनों चोट मामूली हैं । ये केवल धारा 323 , 324 , 294 और 506 का अपराध है ।

पुलिस ने दबाव में धारा 307 हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है । कोर्ट ने पंवार का शर्ट उतरवाकर घाव देखा । चोट मामूली थी । यह देख दोनों मुलजिमों को जमानत दे दी । जमानत आदेश में लिखा मुलजिम बिना न्यायालय की अनुमति के देश से बाहर नहीं जाएंगे और अपराध की पुनरावृत्ति नहीं करेंगे ।

फिजियोथेरेपी चिकित्सा में दवा और सर्जरी दोनों की जरुरत नहीं–डॉ. महेश साहू

मध्यप्रदेश वरिष्ठ नागरिक कल्याण केन्द्र और लायंस क्लब इंदौर यूनिक का संयुक्त आयोजन, निःशुल्क फिजयोथेरेपी शिविर में 86 लोगों का इलाज किया

इंदौर। फिजियोथेरॉपी एक ऐसी चिकित्सा पध्दती है जिसमे न सर्जरी की जरूरत और ना ही मेडिसिन की। इसमें मरीज को दर्द भी नहीं होता है। यह एक सस्ती, सुलभ और उपयोगी चिकित्सा पद्धति है।

ये विचार वरिष्ठ फिजियोथेरिपिस्ट डॉ. महेश साहू के है, जो उन्होंने अलकापुरी मुसाखेडी स्थित योगेंद्र बाल विद्या मन्दिर मूसाखेडी में आयोजित निःशुल्क फिजियोथेरॉपी शिविर मे थेरेपी के दौरान कहे। आयोजन मध्यप्रदेश वरिष्ठ नागरिक कल्याण केंद्र , एस डी पी सी और लायन्स क्लब ऑफ इंदौर यूनिक ने सयुंक्त रूप से किया था। मुख्य अतिथि जनरल फिजीशियन डॉक्टर जी एल सोढ़ी ने कहा कि 50 वर्ष की उम्र के बाद जोड़ों के दर्द की समस्या बढ़ जाती है जिसका इलाज फिजियोथेरॉपी चिकित्सा से किया जाए तो ऑपरेशन की नौबत नहीं आती है। वरिष्ठ नागरिको को इस चिकित्सा पद्धति का अधिक लाभ लेना चाहिए। अध्यक्षीय उद्बोधन में माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉ. आशीष अग्रवाल ने कहा कि वेरिकोज वैन दबने से भी पैरो की समस्या बढ़ जाती है, अतः सचेत रहने की आवश्यकता है। लायंस क्लब ऑफ इंदौर यूनिक के अध्यक्ष जितेंद्र राठी ने कहा कि सेवा से बड़ा कोई भी धर्म नहीं है,और यह सेवा सबको करना चाहिए।

संस्था अध्यक्ष पुरुषोत्तम वाघमारे ने कहा कि मध्य प्रदेश वरिष्ठ नागरिक कल्याण केंद्र विभिन्न स्वास्थ शिविर के माध्यम से हजारो लोगों को स्वस्थ कर चुका हैं। घुटने के दर्द की समस्या अब कम उम्र के लोगों मे भी हो रही है।

मीडिया प्रभारी प्रवीण जोशी ने बताया कि निशुल्क फिजयोथेरॉपी शिविर में लकवा, सेरेबल पाल्सी,फ्रोजन शोल्डर , साइटिका, कमर दर्द, चक्कर आना, आर्थरायटीस,कमर दर्द के 86 मरीजो इलाज फिजयोथेरॉपी चिकित्सा से किया गया । अतिथि स्वागत पुरुषोत्तम वाघमारे, हरीश जोशी, कैलाश पुरोहित, प्रवीण श्रीवास्तव ने किया। शिविर के दौरान मरीजों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के जवाब वरिष्ठ फिजियोथेरिपिस्ट डॉ. महेश साहू ने दिए। आहार संबंधी जानकारी देते हुए आहार विशेषज्ञ डॉ, नेहा गुप्ता ने कहा कि जीवन शेली में बदलाव की वजह से भी बिमारियाँ बढ़ रही है। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण जोशी ने किया। अंत में आभार माना पुरुषोत्तम वाघमारे ने।

हर पार्टी की गारंटियों का आकलन करने में जुटी जनता

गारंटियों के चक्रव्यूह में फंसे मतदाता

***भोपाल।** मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव को अब कुछ ही वक्त बचा है। ऐसे में कभी भी अब आचार संहिता लग रही। वहीं प्रदेश के चुनावी माहौल में भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। चुनाव जीतने के लिए सभी पूरी ताकत झोंक रहे हैं, साथ ही जनता को अपनी ओर खींचने के लिए हर संभव रणनीति बनाई जा रही है।*

इस बार का विधानसभा चुनाव 2023 बेहद खास है, ऐसा इसलिए है क्योंकि सभी पार्टियां चुनावी मैदान में जनता से किए अपने वादों की गारंटी भर रही है। चाहे वह सत्ता पक्ष भाजपा हो या फिर विपक्षी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी। सभी अपने अपने स्तर पर जनता के बीच पैठ बनाने की कोशिश में घोषणाएं कर रही हैं। भाजपा जहां अपने सबसे बड़े नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के वादों की गारंटी दे रही है। कांग्रेस भी अपने नेता कमलनाथ के वचनों को निभाने का वादा कर रही है। वहीं इन दोनों पार्टियों से एक कदम आगे बढ़कर आम आदमी पार्टी ने भी एमपी की जनता के लिए वादों की झड़ी लगाते हुए गारन्टी दे दी है।

भाजपा की गारंटी होगी पूरी-चुनाव में जनता को लुभाने के लिए राजनीतिक पार्टियां पहले भी वादे करती आ रही है, लेकिन इस बार का एमपी विधानसभा चुनाव वादों की गारंटी का अखाड़ा बन गया है। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के हर मुद्दे पर जनता को गारंटी का वादा कर रहे हैं। तो वहीं भाजपा नेता भी पीएम के चेहरे को वादों की गारंटी बता रहे है। दूसरी ओर विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणाओं की झड़ी लगा दी है। ऐसे में भाजपा के नेता मोदी है तो गारंटी है, स्लोगन को लेकर दावा कर रहे हैं और कह रहे हैं। मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर का कहना है कि जनता भी जानती है, कि भारतीय जनता पार्टी जांची, परखी, ओके टेस्टिंग पार्टी है। इसलिए अगर भाजपा गारंटी दे रही है तो उनकी गारंटी पूरी होगी।

जनता के बीच भाजपा के वादों की गारंटी-भारतीय जनता पार्टी चुनाव से पहले हर वर्ग के लोगों को साधने की कोशिश में जुटी है। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना, लाडली बहना आवास योजना, सीखो कमाओ योजना, किसानों के लिए ब्याज माफी योजना, संविदा कर्मचारियों को तोहफा, रोजगार सहायकों का डबल वेतन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का वेतन बढ़ाया, सीएम राइस स्कूल, छात्राओं के लिए ई स्कूटी, राज्य कर्मचारियों का डीए बढ़ाया। इसके अलावा दलितों, गरीबों के अलावा पत्रकारों के लिए भी कल्याणकारी योजनाएं, घोषणाएं शामिल हैं। सबसे बड़ी गारन्टी मप्र में सनातन संस्कृति के बल पर धार्मिक लोक निर्माण और करोड़ों के विकास कार्यों को पूरा करने का वादा शामिल है।

कांग्रेस ने भाजपा पर साधा निशाना

भाजपा की टक्कर में विधानसभा चुनाव में जनता को अपने पाले में लाने के लिए कांग्रेस भी जी जान से जुटी हुई है। कांग्रेस का दावा है, कि जनता को उनके नेता कमलनाथ पर पूरा विश्वास है। जनता को शिवराज सिंह पर विश्वास नहीं है। क्योंकि वह पिछले 18 साल से दी जा रही गारंटियों को पूरा नहीं कर सके, तो अब बचे हुए समय में क्या पूरा करेंगे। कांग्रेस विधायक सुरेश राजे का कहना है कि जब सरकार की गारंटी इतनी अच्छी है तो फिर गुजरात और उत्तर प्रदेश में क्यों नहीं लागू है। भाजपा की अभी डबल इंजन की सरकार है। तो इन गारंटियों को पूरे देश में क्यों नहीं लागू करते हैं। अब जनता ने कांग्रेस की सरकार बनाने का मन बना लिया है। क्योंकि प्रदेश में कमलनाथ सरकार ने जो वादे किए थे वह पूरे किए जा रहे थे। लेकिन जनता जान चुकी है, कि शिवराज सिंह सिर्फ झूठ बोलने में विश्वास रखते हैं।

जानता के बीच कांग्रेस की गारंटी

कांग्रेस पार्टी का कहना है कि चुनावी मौसम में कांग्रेस ने जनता से पहले 5 वादों की गारंटी की थी। लेकिन अब कांग्रेस 11 वचनों को निभाने का दावा कर रही है, जिसमें महिलाओं को 1500 रुपए महीने, 500 रुपए में गैस सिलेंडर, 100 यूनिट बिजली का बिल माफ, 200 यूनिट का बिल हाफ, किसानों का कर्ज होगा माफ, पुरानी पेंशन योजना लागू होगी, 5 हॉर्स पावर सिंचाई की बिजली फ्री, किसानों के बिजली बिल माफ, ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण,12 घंटे सिंचाई के लिए बिजली, जातिगत जनगणना करायेंगे, किसानों के मुकदमे वापस करने जैसी गारंटी शामिल है।

जनता के बीच आप की गारंटी

एमपी में पहली बार सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही आम आदमी पार्टी भी जनता के बीच अपनी गारंटियों के प्लान को लेकर उतर चुकी है। आम आदमी पार्टी का कहना है, कि भाजपा को 18 साल का लंबा समय जनता ने दिया तो वहीं कांग्रेस को भी समय मिला और जनता ने विश्वास भी किया लेकिन वह संभाल नहीं सकी। गारंटी भर देने से अब कुछ नहीं होगा मूलभूत सुविधा ही आपकी गारंटी होती है। आप जनता को अच्छा स्वास्थ्य शिक्षा और रोजगार दीजिए। सभी जानते हैं कि अरविंद केजरीवाल जो कहते हैं वह करके दिखाते हैं फिर चाहे दिल्ली और पंजाब हो या फिर अब मध्य प्रदेश हो हम अरविंद केजरीवाल की गारंटियो के कार्ड बना रहे हैं। आप का कहना है, कि केजरीवाल की गारंटी से प्रभावित होकर पहली बार भाजपा और कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो को गारंटी का नाम दिया है। आम आदमी पार्टी दिल्ली व पंजाब की तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी चुनावी गारंटिया लेकर जनता के बीच आई है। युवाओं को रोजगार की गारंटी, रोजगार नहीं मिलने तक स्टायफंड 3 हजार तक देने का वादा, महिलाओं की सुरक्षा के लिए पूरे मध्य प्रदेश में सीसीटीवी कैमरा, 300 यूनिट तक बिजली फ्री, पानी फ्री, किसानों और व्यापारियों के साथ दिल्ली पंजाब में किए गए कामों को मध्य प्रदेश में भी लागू करने की गारंटी शामिल है। बहरहाल पिछले 18 साल से मध्य प्रदेश की सत्ता में काबिज भाजपा और सत्ता के इर्द घूम रही कांग्रेस के अलावा प्रदेश में नए समीकरण बनाने की तैयारी कर रही आम आदमी पार्टी की यह चुनावी गारंटिया कितनी कारगर साबित होती है और जनता इन पर कितना विश्वास करती है यह तो आने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजे ही बताएंगे। फिलहाल सभी पार्टियां अपनी अपनी जोर आजमाइश में लगी हुई है।

कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक का आरोप

आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी है शिवराज सरकार

भोपाल। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डा. रागिनी नायक ने शिवराज सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इंसान से लेकर भगवान तक, आम आदमी से लेकर परमात्मा तक और जनता से लेकर जर्नादन तक सबको पाखंड और भ्रष्टाचार, ठगी और चोरी का निशाना बनाने में अगर कोई राज्य नंबर वन पर है तो वह मध्यप्रदेश है। रागिनी नायक ने रविवार को कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में शिवराज सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मुंह में राम-बगल में छुरी, ये तो संघी-

भाजपाई पूरे देश में परिलक्षित करते रहते हैं। धर्म को, भगवान के नाम को अपनी असफलताओं और नाकामियों की ढाल बनाते हैं। भारत माता की रगों में बहते खून में हिंसा और नफरत का ज़हर व घोलते रहते हैं। रागिनी ने कहा कि धर्म को निजी आस्था मानने वाले बापू के विचार की रोज़ हत्या करते हुए, वोट बटोरने के लिए धर्म को, ईश्वर को राजनीतिक हथियार बनाते हैं। पर जब धर्म और आस्था की कसौटी पर परखा जाता है तो राम मंदिर के नाम का चन्दा तक खा जाते हैं। सर से पांव तक घोटालों और भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाते हैं। और इसका प्रत्यक्ष प्रमाण मिलता है शिवराज सिंह सरकार में।

घोटालों का जिक्र

डा. रागिनी नायक ने घोटालों का जिक्र करते हुए कहा कि अभी महाकाल लोक में हुए महाघोटाले की आंच कम भी नहीं हुई थी कि, सतना के वेंकटेश लोक का घोटाला सामने आ गया। यहां 8 करोड़ रुपए में टाइल्स लगाई गई। सतना की स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत इस मंदिर के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण का काम शुरू हुआ। हाल ही में 5 अक्टूबर को लोकार्पण हुआ और दो दिन में टाइल्स उखड़ गए। जनता की जेब तो काट ही रही है, भगवान के दरबार को भी नहीं बक्शा इस भ्रष्टाचारी कमीशनखोर सरकार ने। प्रियंका गांधी धार आई थीं, वे बता के गई थीं 250 बड़े घोटालों के बारे में, जो शिवराज सिंह जी की नाक के नीचे हो रहे हैं।

कांग्रेस को विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा झटका

विधायक सचिन बिरला भाजपा में हुए शामिल

भोपाल । मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस विधायक सचिन बिरला रविवार को कांग्रेस का हाथ छोड़कर विधिवत भाजपा में शामिल हो गए। कांग्रेस विधायक सचिन बिरला मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के समक्ष भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा की रीति-नीति से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। हालांकि सचिन ने अक्टूबर 2021 में हुए उपचुनाव के दौरान ही मंच से कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने का ऐलान कर दिया था। इस मौके पर विधायक सचिन बिरला ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि मैं दो साल से भाजपा का काम कर रहा था। आज मैंने औपचारिक रूप से भाजपा की सदस्यता ले ली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराजसिंह सिंह चौहान के नेतृत्व में सरकार की जनहितैषी नीतियों और भाजपा की विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। पार्टी मुझे जो भी दायित्व देगी उसका पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करूंगा। हम बता दें कि, खरगोन के जिले की बड़वाह विधानसभा सीट से विधायक सचिन बिड़ला ने 2018 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार हितेंद्र सिंह सोलंकी को 30 हजार वोटों से हराया था।

पिछले चुनाव में दस सीटों पर हार-जीत के अंतर से अधिक थे नोटा के वोट

इस बार के चुनाव में भी नोटा बिगाड़ सकता है कईयों की जीत का गणित

भोपाल। मप्र में एक-दो दिन में चुनाव का बिगुल बज जाएगा। हालांकि अभी तक किसी भी पार्टी ने अपने सभी प्रत्याशियों की सूची जारी नहीं की है। लेकिन घोषित और अघोषित प्रत्याशी हार-जीत के गणित का आकलन करने में जुटे हुए हैं। उनमें से कई सीटें ऐसी हैं जहां हार-जीत के अंतर से अधिक नोटा को वोट मिले थे। 2018 के विधानसभा चुनाव में हार-जीत के दिलचस्प रिकॉर्ड बने थे। प्रदेश की 230 सीटों में से 10 पर हार-जीत का अंतर एक हजार से कम वोटों का था, जबकि यहां नोटा ने इस अंतर से अधिक वोट हासिल किए थे। एक तरह से कहा जाए तो नोटा ने कांग्रेस और भाजपा की जीत-हार का फैसला किया था। 10 सीटों पर विजयी प्रत्याशियों के जीत की मार्जिन 6028 वोट का था। वहीं, इन 10 सीटों पर नोटा ने 18872 वोट हासिल किए थे। इससे लगता है कि अगर मतदाताओं की पसंद के उम्मीदवार होते तो हार-जीत में अंतर देखने को मिल सकता था। इन दस सीटों में से सात पर कांग्रेस और तीन पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। जाहिर तौर पर दोनों ही दल 2023 के विधानसभा चुनाव में पिछली बार मिली

हार को जीत में बदलने या जीत के मार्जिन को बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं। गौरतलब है कि भारत में मतदाताओं को अपने चुने हुए जनप्रतिनिधि को वापस बुलाने का अधिकार है, जिसे राइट टू रिकॉल कहते हैं। इसी तरह यदि कोई उम्मीदवार पसंद नहीं है तो इनमें से कोई नहीं (नन ऑफ द अबव या नोटा) का विकल्प चुन सकते थे। इस विकल्प को 2013 में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में शामिल किया था। इस तरह का विकल्प देने वाला भारत दुनिया का 14 वां देश है।

सिर्फ 121 वोट से मिली हार

प्रदेश में सबसे कम मतों से विजयी होने का रिकॉर्ड ग्वालियर ग्रामीण से कांग्रेस के प्रवीण पाठक का है। उन्होंने भाजपा के नारायण कुशवाह को 121 मतों से पराजित किया था। इस सीट पर नोटा ने 1349 मत हासिल किए थे। दूसरी सबसे कम अंतर वाली जीत सुवासरा से कांग्रेस के हरदीपसिंह डंग की थी। उन्होंने भाजपा के राधेश्याम पाटीदार को 350 मतों से हराया था। यहां नोटा ने 2976 मत हासिल किए थे।

ये नेता 1000 से कम वोटों से जीते थे

- 2018 में सबसे कम 121 मतों से ग्वालियर ग्रामीण में प्रवीण पाठक की जीत हुई थी।
- दमोह से भाजपा के वरिष्ठ नेता जयंत मलैया भी 798 मतों से चुनाव हार गए थे।
- कमलनाथ मंत्रिमंडल में गृह मंत्री बाला बच्चन सिर्फ 932 मतों से चुनाव जीते थे।
- 1000 से कम वोटों से विजयी सीटों में सात कांग्रेस और तीन भाजपा को मिली थी।

यहां दिखा नोटा का असर

प्रदेश में 10 चिधानसभा सीटें ऐसी थी जहां जीत-हार की मार्जिन से ज्यादा नोटा को वोट पड़े थे। ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा सीट पर कांग्रेस के प्रवीण पाठक 121 वोट से जीते थे, जबकि नोटा को 1349 वोट पड़े थे। इसी तरह कोलारस विधानसभा सीट पर भाजपा के वीरेंद्र रघुवंशी को 720 वोट से जीत मिली थी, वहीं नोटा को 1674 वोट पड़े थे। बीना विधानसभा सीट से महेश रॉय 460 वोट से जीते थे, वहां नोटा को 1531 मिले थे। राजनगर विधानसभा सीट ये विक्रम सिंह 732 वोट से जीते थे, वहां नोटा को 2485 वोट मिले थे। दमोह विधानसभा सीट पर राहुल सिंह 798 वोट से जीते थे, जबकि नोटा को 1299 वोट पड़े थे। जबलपुर उत्तर विधानसभा सीट से विनय सक्सेना 578 वोट से जीते, नोटा को 1209 वोट मिले। ब्यावरा विधानसभा सीट से गोवर्धन दांगी 826 वोट से जीते, नोटा को 1481 वोट मिले थे। राजपुर विधानसभा सीट से बाला बच्चन की 932 वोट से जीत हुई थी, जबकि नोटा को 3358 पड़े थे। जावरा विधानसभा सीट पर राजेंद्र पांडेय 511 वोट से जीते थे, वहीं नोटा को 1510 वोट मिले थे। सुवासरा विधानसभा सीट पर हरदीप सिंह डंग 350 वोट से जीते थे, जबकि नोटा को 2976 वोट मिले थे।

मुख्यमंत्री की दौड़ में कूदे गोपाल भार्गव

भाजपा में सीएम पद को लेकर मची अंदरूनी कलह

भोपाल। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव के पहले ही भाजपा के दिग्गज नेताओं में सीएम पद को लेकर महत्वाकांक्षा जागने लगी है। अब तक मध्यप्रदेश में सीएम शिवराज सिंह चौहान के अलावा नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयर्गीय, प्रहलाद सिंह पटेल ही सीएम पद के दावेदार माने जा रहे थे। इस बीच भाजपा के कद्दावर नेता शिवराज सरकार में वरिष्ठ मंत्री पं. गोपाल भार्गव सीएम पद की दौड़ में कूद पड़े हैं। उन्होंने इशारों ही इशारों में मध्यप्रदेश का सीएम बनने की इच्छा जताई है। विधानसभा चुनाव के ठीक पहले पं गोपाल भार्गव के इस बयान से पार्टी में सीएम पद को लेकर कलह मचने के आसार बढ़ गए हैं। शिवराज सरकार में वरिष्ठ मंत्री पं गोपाल भार्गव ने हाल ही में रहली में आयोजित एक कार्यक्रम में अपनी महत्वाकांक्षा को जाहिर करते हुए कहा कि, गुरूजी की आज्ञा है कि, एक बार और चुनाव लड़ो। मुझे भी लगा कि, गुरु आज्ञा है, तो जरूर उनकी कुछ इच्छा होगी। उन्होंने कहा कि इस बार पार्टी ने किसी को सीएम प्रोजेक्ट नहीं किया है। केवल नाम चल रहे हैं कि, इसे सीएम बना सकते हैं, उसे सीएम बना सकते हैं। हम बता दें कि पं गोपाल भार्गव इसके पहले भी एक कार्यक्रम मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जता चुके हैं। तब उन्होंने कहा था कि, अभी में पूरी तरह से चुस्त और फिट हूं। गोपाल के बयान से भाजपा में मच सकती है खींचतान-भाजपा सूत्रों के अनुसार विधानसभा चुनाव के ठीक पहले मंत्री गोपाल भार्गव का इस तरह का बयान सामने आने के बाद भाजपा में सीएम पद की दावेदारी को लेकर अंदरूनी खींचतान शुरू हो सकती है। हम बता दें कि, इसके पहले इंदौर विधानसभा क्रमांक-एक से बतौर भाजपा प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय भी कह चुके हैं कि, पार्टी ने यूं ही मुझे विधानसभा नहीं लड़ाया है। पार्टी मुझे बड़ी जिम्मेदारी देना चाहती है।

ये भी हैं सीएम पद के दावेदार-पार्टी ने अभी भाजपा के कद्दावर नेता एवं तीन केन्द्रीय मंत्री नरेंद्र तोमर, प्रहलाद सिंह पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते सहित भाजपा राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को विधानसभा मैदान में उतारा है।

केंद्रीय मंत्री पटेल ने अजय सिंह को भेजा मानहानि नोटिस

भोपाल। बीते दिनों कांग्रेस की जन आक्रोश यात्रा के दौरान नरसिंहपुर में केंद्रीय मंत्री व विधानसभा प्रत्याशी प्रहलाद सिंह पटेल पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल ने कोयला घोटाले के आरोप लगाए थे। इस मामले में केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के भाई और नरसिंहपुर विधायक जालम सिंह पटैल ने आरोपों को झूठा बताते अजय सिंह राहुल को 5 करोड़ की मानहानि नोटिस भी भेजा गया है। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी नरसिंहपुर विधायक जालम सिंह पटेल व भाजपा जिलाध्यक्ष इंजी. अभिलाष मिश्रा ने सयुक्त रूप से कहा कि जिस घोटाले की बात अजय सिंह कर रहे थे वह घोटाला कांग्रेस शासन में ही हुआ था। जिसके प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह थे। उन्हें इन घोटालों के सवाल जवाब अपनी पार्टी के नेताओं से करना चाहिए। प्रहलाद सिंह पटेल उस समय की अटल बिहारी बाजपेई जी की सरकार में 2004 तक मंत्री रहे। इस समय किसी भी प्रकार का कोई भी घोटाला भाजपा शासन में नहीं हुआ प्रहलाद सिंह पटेल 2004 से 2014 तक न तो सांसद रहे न मंत्री न ही किसी शासकीय पद पर रहे तो वह किस आधार पर कोयला घोटाले में उनका नाम ले रहे है। कांग्रेस पार्टी का हमेशा से ही भ्रष्टाचार से चोली दामन का साथ रहा है। इनके नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी भी भ्रष्टाचार के मामले में आज भी जमानत पर घूम रहे है। अजय सिंह राहुल का विवादों से पुराना नाता है। उनकी मां के साथ घरेलू हिंसा व प्रापर्टी बेदखली को लेकर विवाद चला था। इनके भाषा व स्वभाव में सामंतशाही झलकती है। उन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव में हमारी सीधी की सांसद महिला नेत्री रीति पाठक के साथ अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया था। अजय सिंह यह बयान देने से पहले भूल गए थे कि यह मां नर्मदा व भगवान नरसिंह की पावन भूमि है जहां पर आपके पिता जी को भी हराने का कार्य यहां जनता व भाजपा के कार्यकर्ताओं ने किया है। नरसिंहपुर विधायक जालम सिंह पटेल ने बताया कि अजय सिंह द्वारा दिए गए वक्तव्य को लेकर उन्हें 5 करोड़ की मानहानि का नोटिस वकील के माध्यम से दिया गया है। जिसमें अगर वह सात दिवस के अंदर सार्वजनिक माफी या खेद प्रकट नहीं करते है तो उनके खिलाफ जिला न्यायालय नरसिंहपुर व जबलपुर में मानहानि का केस चलाया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस नेता लाखन सिंह पटेल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने एक चैनल के इंटरव्यू में अपनी तुलना मोहम्मद गौरी से की है कि जिस प्रकार गौरी ने बार बार भारत पर आक्रमण कर हार नहीं मानी थी उसी प्रकार मैं भी हार नहीं मानूंगा क्या लाखन सिंह सोमनाथ मंदिर पर हुए हमलों व सनातन संस्कृति पर हुए कुठाराघात का समर्थन करते है। उन्होंने अपने इस बयान से पृथ्वीराज चौहान व भारत के वीर सपूतों के अपमान करने का कार्य किया है। क्या लाखन सिंह सनातन संस्कृति या मुगलों की आक्रामक संस्कृति का समर्थन करते है उन्हें इस बात को स्पष्ट करना चाहिए।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कोयला घोटाले के लगाए थे आरोप

चुनाव को लेकर शहर की सीमाओ पर की जा रही विशेष चैकिंग

भोपाल। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर देहात पुलिस अधीक्षक द्वारा शहर की सीमाओ पर आने जाने वाले वाहनो की विशेष तौर से चैकिंग किये जाने के निर्देश दिये गये है। इसके बाद देहात की सभी थाना पुलिस टीम द्वारा सभी दो, चार पहिया वाहनो के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जानाकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार सिन्हा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉक्टर नीरज चौरसिया के मार्गदर्शन में क्षेत्र के थानो को महत्वपूर्ण पॉइंट्स पर सघन वाहन चेकिंग हेतु आदेशित किया गया है।

श्रद्धा की जिंदगी में आया नया प्यार

राहुल मोदी को कर रही हैं डेट

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपने मासूम, अनोखे और मनमोहक बातचीत के अंदाज से फैन्स को आकर्षित करती हैं। यही वजह है कि इंस्टाग्राम पर बॉलीवुड में वह सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली अभिनेत्री हैं। यूं तो ज्यादातर वह अपनी प्रोफेनशल लाइफ और इंस्टाग्राम पर तस्वीरों के लिए सुर्खियों में रहती हैं, मगर इस बार अचानक उनका नाम किसी से जुड़ा है। आशिकी 2 में आरोही के रूप में उनकी भूमिका से लोगों के दिल जीतने वाली श्रद्धा अब अपनी लव लाइफ के लिए लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही हैं। हालांकि इससे पहले उनका नाम फरहान खान और आदित्य रॉय कपूर जैसे सितारों से जुड़ चुका है।

हम साथ साथ

ऐक्टरों को डेट करने की चर्चाओं के बीच इन दिनों श्रद्धा के बारे में कहा जा रहा है कि वह बॉलीवुड के एक राइटर को डेट कर रही हैं। इस राइटर ने उनकी पिछली फिल्म लिखी थी. जी हां, आखिरी बार ब्लॉकबस्टर फिल्म तू झूठी मैं मक्कार में नजर आईं श्रद्धा कपूर के बारे में अफवाह है कि वह इसी फिल्म के राइटर को डेट कर रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रद्धा कपूर और फिल्म के राइटर राहुल मोदी को बीते कुछ समय में कुछ मौकों पर साथ-साथ देखा गया है। इसके बाद अब यह चर्चा चल पड़ी है कि श्रद्धा इस राइटर को डेट कर रही हैं। दोनों को बीते दिनों एक थिएटर के बाहर एक साथ क्लिक किया गया था।

प्यार की कहानी

इधर भले ही श्रद्धा और राहुल के डेटिंग रिश्ते के बारे में अफवाहें चल रही हैं, लेकिन दोनों में से किसी ने भी इस बात की पुष्टि नहीं की या फिर इस रिलेशनशिप का संकेत नहीं दिया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रद्धा इससे पहले फोटोग्राफर रोहन श्रेष्ठ को डेट कर रही थीं। 4 साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद उन्होंने यह रिलेशनशिप छोड़ खत्म कर दी थी। जहां तक फिल्मों की बात है तो श्रद्धा लगातार व्यस्त चल रही हैं। जल्द ही वह चालबाज इन लंदन, स्त्री 2 और चंदा मामा दूर के में दिखाई देंगी।

बॉडी एक्सपोज करने पर भड़के यूजर को सोफिया अंसारी ने दिया जवाब

सोफिया अंसारी को उनकी हॉटनेस को लेकर जाना जाता है। वो अक्सर सोशल मीडिया पर बोल्ड होती रहती हैं। लेकिन इस वक्त वो अपने एक पोस्ट को लेकर खबरों का हिस्सा हैं। बता दें कि उनकी बोल्डनेस और कपड़ों को लेकर लोग अक्सर कमेंट्स करते हैं। एक यूजर ने उनको बॉडी एक्सपोज करने को लेकर ट्रोल किया था। यूजर ने लिखा था, आप लोगों के लिए अपनी बॉडी एक्सपोज मत किया करो, आप पूरे कपड़ों में रहा करो ज्यादा क्यूट लगती हो। इसके बाद सोफिया अंसारी ने जवाब देते हुए लिखा, आपको कोई गलतफहती है शायद, मैं लोगों के लिए ऐसा नहीं करती हूं। मुझे अच्छा लगता है मॉडर्न और स्टालिश कपड़े पहनना। मैं मॉडल हूं और अपने 8 साल अपने फिगर के लिए मेहनत की है, ऐसी फिगर के लिए डायट और एक्सरसाइज के अलावा काफी कुछ.. इंशाल्लाह मैं आगे भी अपनी बॉडी मेंटेन करने की कोशिश करूंगी क्योंकि मुझे पसंद

है। लोगों को पसंद आऊं मैं, अगर यही करना होता तो मैं उनके हिसाब से जीती ताकि वो मुझे पसंद करें। आशा करती हूं कि आप समझ गए होगे क्योंकि मैं ऐसी ही हूं।

आप भी मुझे ऐसे ही पसंद करिए जैसे मेरे फॉलोवर्स पसंद करते हैं।

नयनतारा ने राघव लॉरेंस की फिल्म से किया किनारा

नयनतारा दक्षिण की सबसे व्यस्त अभिनेत्रियों में से एक हैं। जवान के बाद वह कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। कहा जा रहा था कि नयनतारा रत्ना कुमार के निर्देशन में बनने वाली अगली फिल्म में राघव लॉरेंस के साथ पहली बार मुख्य भूमिका निभाएंगी। हालांकि, ताजा रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस ने अब इस प्रोजेक्ट से कदम पीछे खींच लिए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके पीछे की वजह डेट्स के टकराव को बताया जा रहा है। वहीं, अब रत्ना कुमार कथित तौर पर राघव लॉरेंस के साथ अपनी फिल्म के लिए एक नई स्क्रिप्ट बना रहे हैं। बताया जा रहा है कि प्री-प्रोडक्शन का काम फिनिश लाइन तक पहुंचने के बाद इसकी आधिकारिक घोषणा की जाएगी। बता दें कि रत्ना कुमार ने शुरुआत में राघव लॉरेंस और नयनतारा के साथ एक हॉरर थ्रिलर बनाने की योजना बनाई थी। कहा जा रहा था कि फिल्म की कहानी लोकेश कनगराज द्वारा लिखी जाएगी। जानकारी के अनुसार निर्देशक लोकेश कनगराज रत्ना कुमार की अगली निर्देशित फिल्म के लिए नई पटकथा और में भी मदद कर रहे हैं।

गुलाब की तरह ग्लो चाहिए तो घर पर इन चीजों से तैयार करें ब्लीच

हर कोई ये चाहता है कि उसकी त्वचा हमेशा खिली-खिली रहे, इसके लिए लोग मौसम बदलने के समय तरह-तरह के स्किन केयर ट्रीटमेंट लेते हैं। अक्सर इंस्टेंट ग्लो पाने के लिए महिलाएं ब्लीच का इस्तेमाल करती हैं। पार्लर जाकर ब्लीच कराना तो बेहद आसान होता है, लेकिन बहुत सी महिलाओं को ये सूट नहीं करता। अगर ये आपकी स्किन को सूट कर रहा है, तब तो इसके इस्तेमाल से काफी फायदा मिलता है, लेकिन अगर इसका प्रभाव नकारात्मक पड़ता है तो ये चेहरे को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। अगर आपको भी बाजार में मिलने वाले ब्लीच से डर लगता है तो आप घर पर ही इन चीजों का इस्तेमाल करके इंस्टेंट ग्लो पा सकती हैं।

पपीता

पपीते के टुकड़े में नींबू का रस डालकर इससे चेहरे की मसाज करें। मसाज के दस से 15 मिनट बाद आप चेहरा धो लें। इससे आपको जरूर फायदा मिलेगा।

ओट्स

दो चम्मच ओट्स के पाउडर में आप दही और नींबू का रस मिलाकर पैक तैयार कर सकती हैं। इससे आपके चेहरे की कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। इस पैक को तकरीबन बीस मिनट के लिए आपको चेहरे पर लगाना है, तभी जाकर आपको इसका फायदा मिलेगा।

नींबू और शहद

दो चम्मच शहद में अगर आप तीन से चार बूंद नींबू का रस डालकर इसका पैक तैयार करेंगी तो ये एक केमिकल रहित ब्लीच की तरह की काम करेगा।

नींबू और मसूर की दाल

मसूर की दाल को रात भर भिगो कर रख लें। इसके बाद सुबह इसको पीसकर इसमें नींबू का रस

मिलाएं। हफ्ते में दो बार इसके इस्तेमाल से आपको नेचुरल ग्लो मिलेगा।

संतरे का छिलका

इसमें पाए जाने वाले तत्व त्वचा की कई परेशानियों को दूर करते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस संतरे के छिलके का पाउडर बनाकर इसमें शहद और दूध मिलाना है। इस पैक को आप हफ्ते में दो बार लगा सकते हैं।

अपनी लेडी लव को करीब लाने के लिए ऐसे बनाएं खुद को अट्रैक्टिव

पुरुष कैसे कपड़े पहनें जो लड़कियों को देखने में अट्रैक्टिव लगें? ज्यादातर पुरुषों के दिमाग में ऐसे सवाल आते हैं। क्योंकि हम अच्छी तरह से ड्रेस अप अपने आप को निखारने के लिए करते हैं। यही बात आपको हजारों की भीड़ में किसी के लिए खास बना देती

है। इसलिए फैशन सेंस को महत्वपूर्ण माना जाता है। खासकर, अगर आप डेटिंग की सोच रहे हैं या अपनी क्रश को इंप्रेस करना चाहते हैं तो ये और भी महत्वपूर्ण बन जाता है। क्योंकि आप उसके करीब रहना चाहते हैं और उसे अपने पास बनाए रखना पसंद करते हैं। मगर अपीलिंग फैशन के लिए कोई गारंटी वाला फार्मूला नहीं है। हां, हम यहां पर ऐसी कुछ बातें जरूर बताएंगे। जिससे आपके लिए फैशन से आकर्षित करना आसान हो जाएगा।

> *नो फैशन मिस्टेक किसी को प्रभावित करना है तो गलतियों के लिए कोई जगह न छोड़ें। आपको ये बात अपने फैशन पर लागू करनी होगी। आपको किसी भी तरह के फैशन मिस्टेक से बचना होगा।*

ट्रेंडी ड्रेस पहनें

फैशन हर साल बदलता है। इसलिए सबसे पहले सीजन का खास ख्याल रखें। गर्मी के मौसम में ट्रेंडी समर ड्रेस पहनें। इसके अलावा सर्दी में विंटर ड्रेस पहनें। मगर पुरानी ड्रेस को अलविदा कहना होगा। आपको अपने वार्डरोब में कुछ नए कपड़े शामिल करने होंगे।

फंकी न बनें

आप अपनी क्रश को इंप्रेस करने के लिए फंकी बनकर न जाएं। फंकी लुक गलत नहीं हैं। मगर बहुत कम लड़कियों को ऐसे में लुक वाले लड़के पसंद आते हैं। इसलिए अगर आप पंजाबी गानों से बहुत अधिक प्रभावित होकर खुद को फंकी न बनाएं।

पहनें एक शानदार घड़ी

यहां पर हम एक शानदार दिखने वाली घड़ी की बात कर रहे हैं न कि, महंगी या लग्जरी घड़ी। अगर आपकी कलाई में एक शानदार दिखने वाली घड़ी है तो ये आपके फैशन को नेक्स्ट लेवल पर लेकर जाएगी। इससे आप और भी आकर्षक दिखेंगे। इसके लिए आप अपनी खातिर एक परफेक्ट घड़ी खरीदें, जो दिखने में अच्छी हो।

चप्पल नहीं, पहनें जूते

चप्पल पहनकर कहीं भी नहीं जा सकते हैं। इस बात अच्छी तरह याद कर लें। शूज के मुकाबले चप्पल कम आकर्षक होता है। इसलिए जब बात किसी को आकर्षित करने की हो या इंप्रेशन जमाने की हो तो अपनी ड्रेस के हिसाब से परफेक्ट मैचिंग वाला शूज पहनकर जाएं।

इस तरह बनाएं स्वादिष्ट और चटपटी मसाला वाली भिंडी

चाहे बड़े हो या बच्चे भिंडी सभी को पसंद होती है। इसमें ऐसे कई गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को कई समस्याओं से बचाते हैं। भिंडी की सब्जी को कई तरीकों से बनाया जाता है। जो काफी स्वादिष्ट होती है। चाहें वो भुजिया हो या मसालेदार सब्जी। आप इसे रोटी या चावल के साथ खा सकते हैं। ऐसे में आज आपको मसाला भिंडी की रेसिपी बताएंगे, जिसे आप लंच या डिनर में भी बना सकते हैं। आइए जानते हैं, इसकी आसान रेसिपी।

सामग्री

1 किलो भिंडी, 2-3 मिर्च, 1-2 बड़े चम्मच सरसों का तेल, 1 बड़ा चम्मच धनिया पाउडर, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 चम्मच जीरा पाउडर, 1 चम्मच हल्दी पाउडर, नमक स्वादानुसार, 2-3 प्याज,

बनाने की विधि

सबसे पहले भिंडी को पानी से अच्छे से धो लीजिए, इसे साफ कपड़े से पोंछ लीजिए। अब इसे लंबाई में काट लें। इसके बाद प्याज और हरी मिर्च को बारीक काट लें और एक तरफ रख दें।

अब एक कढ़ाई में तेल गर्म करें, इसमें जीरा डालकर भून लीजिए। इसके अलावा इसमें हरी मिर्च के साथ कटा हुआ प्याज डालें।

जब यह अच्छी तरह भून जाए, तो इसमें हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डालें। इस मिश्रण को अच्छी तरह भून लें।

अब इस मसाले में भिंडी डालें और इन्हें अच्छी तरह मिलाएं। इसे धीमी आंच पर ढक्कन से ढककर पकाएं।

जब यह पकने लगे, तो इसमें नमक और अमचूर पाउडर मिलाएं और कुछ देर बाद गैस बंद कर दें।

सराफा पहुंचे केंद्रीय मंत्री गोयल-बोले ...

कांग्रेस के पास नेतृत्व नहीं

इंदौर। हम सब कार्यकर्ता की भूमिका में काम करते हैं। मध्यप्रदेश की जनता ने 18 साल का विकास देखा है और फिर से बीजेपी की सरकार यहां आएगी। कैलाशजी मित्र हैं अच्छा लगा मैदान में उतरे हैं। जोर-शोर से उतरे हैं, जीतने के लिए। कांग्रेस के पास बहुत तकलीफ है। उसके पास नेतृत्व नहीं है। उनके पास काम करने वाले कार्यकर्ता नहीं हैं। जनता पूरी तरह से बीजेपी के साथ है। शिवराजजी ने जिस प्रकार से काम किया है यहां के लोग भूल कर भी कांग्रेस को जीताकर नहीं लाएंगे।

ये कहना है केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का। शनिवार रात वे इंदौर पहुंचे। इस दौरान कैलाश विजयवर्गीय के साथ सराफा चौपाटी पहुंचे और व्यंजनों का लुत्फ उठाया। यहां मीडिया से चर्चा

में उन्होंने सराफा चौपाटी को लेकर कहा कि अपने आप में अद्भुत अनुभव है।

अभी तक सराफा के बारे में सुना था लेकिन जब तक रूबरू आकर बढ़िया-बढ़िया चीजें टेस्ट नहीं करें तब तक इसका सही स्वाद समझ में नहीं आता है। ये कॉन्सेप्ट बहुत ही अनोखा है। वास्तव में इंदौर की पहचान आज देखने को मिली है। बहुत आनंद आया। मुझे पता नहीं था वरना सुबह से उपवास करके आता और ज्यादा चीजें खा सकता था। लगता है एक बार और आना पड़ेगा।

इंदौरवासियों को मैं बधाई देता हूं

जितनी बड़ी वैरायटी यहां पर है। मीठा-नमकीन अलग-अलग चीजों से एक नई पहचान जो देश के सबसे स्वच्छ शहर की बनाई है। इसके लिए इंदौरवासियों को मैं बधाई देता हूं। इसको अपने आप में पर्यटन का केंद्र बनाता है। देशभर के लोग यहां पर इकट?ठा हुए हैं। किसी ने मुझे कहा कि कर्नाटक में ऐसा नहीं है। वहां भी ऐसा शुरू करना है। आज का अनुभव यादगार है।

जेल रोड के सबसे बड़े कॉम्प्लेक्स में चोरी

आधे घंटे में 20 लाख के मोबाइल ले उड़े चोर

इंदौर। जेल रोड पर बदमाशों ने डॉलर मार्केट में 20 लाख रुपए की कीमत के कई मोबाइल चुरा लिये। बदमाश सिर्फ आधे घंटे में वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। पुलिस को चोरी करते हुए बदमाशों के सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। दो बदमाश मार्केट में दुकानों के शटर चेक करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उक्त मार्केट जेल रोड का सबसे बड़ा मोबाइल बाजार है। भाजपा नेता राजकुमार शर्मा के इस मार्केट में 100 से ज्यादा मोबाइल की दुकानें हैं। एमजी रोड इलाके के डॉलर मार्केट में शनिवार रविवार की दरमियानी रात करीब दो बजे बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश मार्केट में घुसने के बाद करीब आधे घंटे में वारदात को अंजाम देते हुए निकल गए। दुकानदार रिंकू ने बताया उनके बेसमैंट में हेलो मोबाइल के नाम से दुकान है। यहां पर बदमाशों ने उनकी दुकान से करीब 20 लाख रुपये के मोबाइल पर हाथ साफ किया है। उनके मुताबिक पुलिस को दो बदमाशों के सीसीटीवी फुटेज भी मिल गए हैं। जिनके आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

सबसे बड़ा मार्केट-डॉलर मार्केट इंदौर के जेल रोड का सबसे बड़ा मार्केट है। यहां तीनों मंजिलों में कई मोबाइल की दुकानें हैं। यहां का पूरा मैनजमेंट इलाके के बीजेपी नेता राजकुमार शर्मा के पास है। उन्होंने बिल्डिंग में हाई क्वालिटी के कैमरे भी लगाए हैं। इलाके में निजी गार्ड भी घूमते हैं।

मंत्री सिलावट के प्रयासों से गढ़ी एवं जैतपुरा मजरा से राजस्व ग्राम होंगे

इंदौर। इन्दौर जिले के सांवेर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत शिवनी के मजरा-गढ़ी और पेडमी ग्राम पंचायत के मजरा जैतपुरा को जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट के प्रयासों से राजस्व ग्राम बनाया जा रहा है। बताया गया कि किसी भी मजरा टोला को राजस्व ग्राम बनाने से उसे गांव की भौगोलिक सीमा राजस्व गांव में परिवर्तित हो जाती हैं, जिससे कि कृषको को सुविधा मिल सके। बड़ा क्षेत्र होने से एक पटवारी नियुक्त हो जाता है। राजस्व ग्राम बनने से मूल गांव से जो एरिया राजस्व मजरा टोला के राजस्व ग्राम बनाने में क्षेत्रफल कम हो जाएगा वह दो गांव होने से एक पटवारी की नियुक्ति अधिक हो जाएगी, जिससे कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन राजस्व ग्राम की भांति तत्काल हो सकेगा। मजरा राजस्व ग्राम बनने से ग्रामीणों को बहुत फायदे होंगे। गढी / जैतपुरा मजरा ग्राम बनने से ग्रामीणों को मूल ग्राम पंचायत शिवनी/ पेडमी नहीं जाना पडेगा, जिसकी वर्तमान दूरी 3-5 कि.मी. है। नया ग्राम बनने से पटवारी की उपलब्धता समय पर रहेगी। सरकार की योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को त्वरित प्राप्त होगा । नया ग्राम बनने से विकास कार्यों के लिए पृथक से बजट आने से ग्राम में विकास होगा एवं कई योजनाओं से ग्रामीणवासी सीधे जुड़ जाएंगे।

नया ग्राम बनने से जनता की समस्याओं की सुनवाई कर त्वरित निराकरण किया जा सकेगा। नया ग्राम बनने से लोकल स्तर पर रोजगार भी बढ़ेंगे जैसे एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क सेंटर का निर्माण जनसुविधा की दृष्टि से सुगम होगा।

गन लाइसेंस रिन्यू करवाने के लिए एडीएम ऑफिस में लगी लोगों की भीड़

विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगने के पहले कवायद

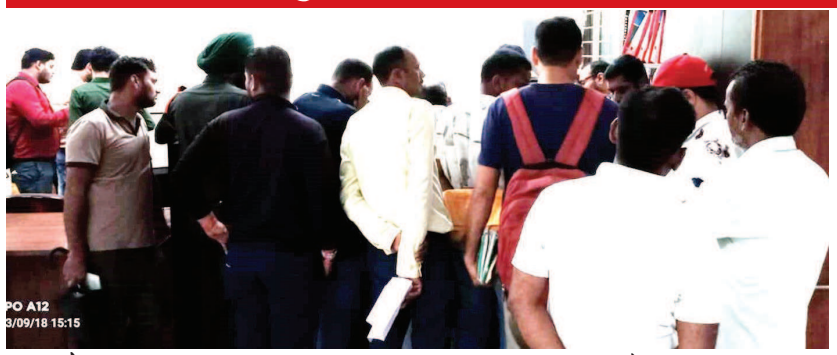

इंदौर। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता कभी भी लग सकती है। इसके पहले बंदूकधारी गन लाइसेंस रिन्यू करवाने के लिए जागृत हो गए हैं। बड़ी संख्या में बंदूकों के लाइसेंस रिन्यू आवेदन लगने से एडीएम ऑफिस में भीड़ लग गई है। वहीं कुछ लोगों ने नए शस्त्र लाइसेंस के लिए भी आवेदन किया है जो कि आचार संहिता लगने से पूर्व लाइसेंस बनवा लेना चाहते हैं। जानकारी अनुसार कलेक्टोरेट के पहली मंजिल स्थित एडीएम ऑफिस में इन दिनों काफी भीड़ नजर आ रही है। इसके बारे में पता करने पर मालूम हुआ कि यह अधिकांश लोग बंदूक के लाइसेंस रिन्यू करवाने के लिए यहां जमा हुए हैं। सभी बंदूकधारी गन लाइसेंस आचार संहिता लगने के पूर्व रिन्यू करवा लेना चाहते हैं, ताकि चुनाव के दौरान किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं उठाना पड़े। साथ ही चुनाव के पश्चात भी लाइसेंस रिन्यू करवाने में किसी प्रकार की कोई जल्दबाजी का सामना नहीं करना पड़े। बताया यह भी जा रहा है कि इस समय गन लाइसेंस रिन्यू करने के लिए जो प्रभारी क्लर्क हैं, उन्होंने हाल ही में यह कार्य संभाला है, इस कारण प्रक्रिया पूर्ण करने में उन्हें अधिक समय भी लग रहा है। इस कारण भी यहां एडीएम ऑफिस में लोगों की भीड़ लगी हुई है। कुछ आवेदक ओ को भी प्रक्रिया की जानकारी नहीं-एडीएम ऑफिस में गन लाइसेंस के लिए भीड़ लगने का एक कारण यह भी है कि यहां कुछ आवेदकों को भी गन लाइसेंस रिन्यू करवाने की प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी नहीं है। नए गन लाइसेंस प्राप्त करने वाले भी इस पूर्ण प्रक्रिया से अनभिज्ञ हैं। इस कारण यहां कुछ दलाल भी इस उनका फायदा उठा रहे हैं।

इंदौर-भोपाल वंदे भारत ट्रेन नागपुर तक जाएगी

रेल मंत्री से विजयवर्गीय ने रखी थी मांग, जून में शुरू हुई थी वंदे भारत ट्रेन

इंदौर। इंदौर से भोपाल के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन अब नागपुर तक चलेगी। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और इंदौर-1 से उम्मीदवार कैलाश विजयवर्गीय ने हाल ही में इंदौर आए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से इस संबंध में आग्रह किया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। इस संबंध में कैलाश विजयवर्गीय ने ट्वीट कर रेल मंत्री का आभार व्यक्त किया और इंदौर वासियों को बधाई भी दी। हालांकि ट्रेन नागपुर तक कब से चलने लगेगी इसका शेड्यूल अभी नहीं आया है।

बता दें इंदौर और भोपाल के बीच वंदे भारत ट्रेन की शुरूआत 27 जून को हुई थी। इंदौर से सुबह 6.30 बजे ये ट्रेन चलती है। इंदौर-भोपाल के बीच यह सबसे फास्ट ट्रेन है। ट्रेन इंदौर-भोपाल के बीच सिर्फ उज्जैन में 5 मिनट के लिए रुकती है। इससे पहले इंदौर-भोपाल के बीच सबसे फास्ट ट्रेन इंदौर-जबलपुर एक्सप्रेस थी जो की 3 घंटे 55 मिनट में इंदौर से भोपाल का सफर पूरा करती है।

एक महीने में ही यात्रियों की कम संख्या पर उठे थे सवाल

इंदौर-भोपाल के बीच शुरू हुई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को जब एक महीना पूरा हो गया था तब जो रिपोर्ट सामने आई थी उसमें ये साफ हो गया था कि एक महीने में ट्रेन में हर दिन औसतन 75 फीसदी सीटें खाली रही। 25 फीसदी यात्रियों के साथ ट्रेन का संचालन हुआ। इसके बाद यात्रियों की कम संख्या को लेकर रेलवे के आला अफसरों ने भी इसका रिव्यू किया। इंदौर से 28 जून को ट्रेन का नियमित संचालन शुरू हुआ था। इसके बाद से ही ट्रेन में औसत हर दिन 135 यात्रियों (कुल 530 सीटों में) ने सफर किया। लिहाजा वंदे भारत के अब नागपुर तक चलने की वजह से यात्रियों की संख्या में भी इजाफा होगा, रेलवे को फायदा होगा और सीटें भी खाली नहीं रहेगी।

हालांकि इसी समय ट्रेन को जयपुर या नागपुर या ग्वालियर के बीच चलाए जाने की मांग भी उठने लगी थी। लेकिन रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की घोषणा के बाद जल्द ही यह ट्रेन इंदौर से नागपुर के बीच चलने लगेगी।

कांग्रेस विधायक ने विजयवर्गीय के छुए पैर

भाजपा महासचिव ने गले लगाकर पास बैठाया; साथ में सुने जैन मुनि के प्रवचन

इंदौर। रविवार को राजनीति की अलग तस्वीर नजर आई। यहां कांग्रेस विधायक संजय शुक्ला ने भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। विजयवर्गीय ने भी उन्हें गले लगाकर पास बैठाया। दोनों नेताओं ने एक साथ जैन मुनि के प्रवचन सुने। शुक्ला का पैर छूते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बीते कुछ दिनों से दोनों ही नेता एक-दूसरे के खिलाफ जमकर बयानबाजी कर रहे हैं। ऐसे में यह नजारा देख लोग भी हैरान रह गए।

बता दें कि आगामी विधानसभा चुनाव में इंदौर-1 से भाजपा ने कैलाश विजयवर्गीय को अपना प्रत्याशी बनाया है। वर्तमान में यह सीट कांग्रेस के पास है। इस सीट पर संजय शुक्ला विधायक है। उम्मीद है कि इस बार भी इंदौर-1 से कांग्रेस संजय शुक्ला को ही टिकट देगी।

रविवार को गोम्मटगिरी में जैन समाज का क्षमावाणी प्रोग्राम था। इसमें दोनों ही नेता बड़ी आत्मीयता से एक-दूसरे से मिले। शुक्ला ने कहा कि वो मेरे आदरणीय हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)